श्री बड़े : पंजाब ने ऐसा किया है ।

अध्यक्ष महोदय: किया तो है, लेकिन वह दूसरे सवाल में चीज आ सकती है, इस में नहीं ।

Shri Jaswant Mehta: There is already shortage of food in the country and due to this damage and scarcity conditions there is a further shortage. Have the Government thought over how to get over the food problem?

Mr. Speaker: It is a wider question.

Shri Dinen Bhattacharya: May I know whether the damage to crops has not affected the existing price levels of cheap grains in these localities?

Mr. Speaker: That would be seen; that in a matter of opinion.

श्री कछवाय : इस प्रकार की हानि फसलों को प्रतिवर्ष होती है । क्या सरकार कोई ऐसी नीति बनाने वाली है कि हानि के बाद भी काश्तकारों को कुछ सहायता मिल सके ?

अध्यक्ष महोदय : नीति का यह सवाल नहीं ।

Shri A. P. Jain: My question is confined to the kharif crops already harvested. The estimates are normally with the Government by this time. What are the provisional estimates of the production of Kharif crops in 1963-64?

Dr. Ram Subhag Singh: For kharif crop, especially paddy, it is about 32 million tons. For the others I will give later on.

Shri D. J. Naik: In some parts of Saurashtra, particularly in Kutch, there have been scarcity conditions. What aid have the Centre given to the Gujarat Government for relieving the scarcity conditions?

Mr. Speaker: We cannot discuss particular regions.

श्री क० ना० तिवारी : क्या यह सही है कि शीत लहरी का असर रबी के उस एरिया पर नहीं पड़ा है जहां पटवन का इंतजाम है ? अगर सही है तो आगे के लिए उन जगहों के पटवन का क्या इंतजाम सरकार कर रही है ?

डा० राम सुभग सिंह : पटवन के लिए जो पंचवर्षीय योजना के अनुसार सिंचाई की व्यवस्था करने की बात है, उसको आगे बढ़ाया जा रहा है ।

श्री क० ना० तिवारी : जहां इंतजाम था पटवन का, वहां शीत लहरी का असर गेहूं या जौ या और किसी क्राप पर नहीं पड़ा है, क्या यह सही है ?

डा० राम सुभग सिंह : सही है ।

श्री बागड़ी : हम अकाल पीड़ित हैं और हम रह गए हैं ।

अध्यक्ष महोदय : बहुत रह जाते हैं, एक आध तो नहीं रह जाता है ।

लखनऊ-कानपुर-सागर-राष्ट्रीय राजपथ पर पुल

\+

*६१२. { **श्रीमती सावित्री निगम** :
श्री म० ला० द्विवेदी :

क्या **परिवहन** मंत्री १७ दिसम्बर, १९६३ के अतारांकित प्रश्न संख्या १७६४ के उत्तर के सम्बन्ध में यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या लखनऊ–कानपुर–सागर राष्ट्रीय राजपथ पर यमुना नदी पर पुल बनाने के सम्बन्ध में निर्णय कर लिया गया था तथा बाद में उस निर्णय को रद्द कर दिया गया था;

(ख) यदि हां, तो निर्णय बदलने के क्या कारण हैं; और

(ग) इस सम्बन्ध में नवीनतम स्थिति क्या है ?

परिवहन मंत्रालय में नौवहन मंत्री (श्री राज बहादुर) : (क) से (ग). एक विवरण सभा पटल पर प्रस्तुत है ।

विवरण

(क) और (ख). कालपी के पास यमुना पर एक स्वतंत्र सड़क-पुल के निर्माण की व्यवस्था दूसरी पंचवर्षीय योजना में की गई थी । इस सम्बन्ध में, जबकि जांच कार्य किये जा रहे थे, रेलवे मंत्रालय ने यह सूचित किया कि उन्होंने इस स्थान पर विद्यमान रेलवे पुल पर नये गर्डर लगाने का कार्यक्रम बनाया है और नये गर्डर लगाने के बाद रेलवे पुल पर सड़क यातायात के लिए एक अलग डैक लगाया जा सकेगा । जांच करने पर, एक मिला-जुला रेल सड़क के पुल का प्रस्ताव, एक अलग सड़क पुल के मुकाबले अधिक मितव्यय लगा । इसलिए, नये गर्डर लगाते समय विद्यमान रेलवे पुल पर सड़क यातायात के लिए एक अलग डेक की व्यवस्था करने का निश्चय किया गया है ।

(ग) ऐसा अनुमान है कि रेलवे पुल पर नये गर्डर लगाने का कार्य १९६५ के अन्त तक शुरू किया जायेगा और लगभग १८ मास की अवधि में समाप्त हो जायेगा ।

Shrimati Savitri Nigam: May I know how long Government will take to complete the work of re-girdering and remodelling these roads?

Shri Raj Bahadur: It is expected that the Railways will undertake re-girdering of this bridge towards the middle or the end of next year and it will take about 18 months time after that.

Shrimati Savitri Nigam: Is the hon. Minister aware that because of the delay in re-gridering the railway bridge, exports from U.P. to other States as well as traffic are suffering?

Shri Raj Bahadur: That is in the rainy season.

Undelivered Mail in Nullah

+

*613. **Shri R. Barua:**
Shri Maheswar Naik:
Shri P. C. Borooah:
Shri Onkar Lal Berwa:
Shri Vishwa Nath Pandey:

Will the Minister of **Posts and Telegraphs** be pleased to state:

(a) whether it is a fact that more than 300 postal letters were dumped into a nullah near Patel Nagar, New Delhi by a postman of New Delhi;

(b) whether similar cases were also detected in the past in other parts of the country;

(c) if so, the action taken in those cases; and

(d) the preventive measures being taken against recurrence of such incidents?

The Deputy Minister in the Department of Posts and Telegraphs (Shri Bhagavati): (a) Yes Sir.

(b) A few cases of the nature came to notice.

(c) Besides taking appropriate disciplinary action against delinquent officials, the cases were also reported to the Police.

(d) Supervision has been tightened up.

Shri R. Barua: May I know whether any assessment has been made regarding the non-delivery and wrong delivery of such letters in the rural areas? Particularly by the extra-departmental post offices?

Shri Bhagavati: The postal officials—the town Inspectors and overseer Postmen in the cities and twons and Inspectors of Post offices and overseers in the rural areas—inspect the deliveries made by the postmen, and then again, we also post letters for finding